

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
प्रेस विज्ञप्ति

उत्तर पूर्वी क्षेत्र में सुरक्षित स्काई के प्रति भाविप्रा की पहल

नई दिल्ली, 23 जून, 2017: गुवाहाटी हवाईअड्डे पर अत्याधुनिक निगरानी ए टी सी रडार प्रणाली लगाई जा रही है। यह रडार प्रणाली लगभग सम्पूर्ण उत्तर पूर्वी आकाश को कवर करेगी। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने बीस वर्ष पुरानी रडार प्रणाली को नई अत्याधुनिक तकनीक से प्रतिस्थापित करने की परियोजना शुरू की है। भारत में विभिन्न स्थानों पर नए रडार, ए डी एस-बी (ऑटोमेटिक डिपेन्डेंट सर्विलांस ब्राडकास्टिंग) उपकरण तथा ए टी एस ऑटोमेशन प्रणालियों के साथ वायु दिक्चालन सेवाओं (ए एन एस) के आधुनिकीकरण हेतु भाविप्रा के सतत प्रयासों में से यह एक है। नए रडार का डाटा गुवाहाटी में लोकल एप्रोच कंट्रोल तथा एरिया कंट्रोल केन्द्रों के ^{INDRA} ए टी एस ऑटोमेशन सिस्टम के साथ एकीकृत किया जाएगा। उत्तर पूर्वी वायु-अंतरिक्ष के ऊपर आवश्यक अतिरिक्त स्तरों (रिडंडेंसी लेवल) पर संतोषजनक रडार कवरेज उपलब्ध कराने के लिए अन्य ऑटोमेशन के साथ एक ही डाटा प्रदान किया जाएगा तथा एकीकृत किया जाएगा।

आगामी रडार प्रणाली चेक रिपब्लिक आधारित एलडिस कम्पनी से है। रडार उच्च रेजोल्यूशन तथा व्यापक डिजीटल सिग्नल प्रोसेसिंग क्षमता का है। नए रडार में प्रयुक्त साफ्टवेयर जटिल है तथा उत्तर पूर्वी आकाश में विभिन्न प्रकार के विमानों के लिए उत्कृष्ट निगरानी प्रदान करता है।

यह रडार विश्व की आधुनिकतम तकनीक का है। मैसेज प्रोसेसिंग तकनीक सभी विमानों की विस्तृत जानकारी प्रदान करती है जहां विमान हाई रेजोल्यूशन तथा वायु यातायात के सुगम प्रवाह के लिए हाई प्रीसिशन सूचना दे सकें, ताकि पूरे उत्तर पूर्वी आकाश में नए मानकों एवं उच्च स्तरीय वायु यातायात नियंत्रण हो सके।

ए टी सी में रडार का प्रयोग

ए टी एस के उद्देश्यों में से एक विमानों के बीच टकराव को रोकना है। इसके लिए ए टी सी ओ अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी विमानों के मध्य मानक दूरी, ऊर्ध्वाधर तल अथवा क्षैतिज समक्षेत्र प्रदान करता है। रडार ए टी सी ओ द्वारा विमानों के मध्य मानक दूरी प्रदान करने हेतु प्रयुक्त होने वाला उपकरण है। रडार द्वारा चिन्हित होने पर विमानों के मध्य 10 एन एम (रडार स्टेशन से 60 एन एम के मध्य होने पर घटाकर 5 एन एम) की दूरी रखी जाती है। ए टी सी रडार न होने पर, यह दूरी बहुत बढ़ जाती है, कभी कभी 80 एन एम तक, जिसके कारण ए टी एस प्रणाली की दक्षता कम होती है।

ए टी एस में रडार के प्रयोग से एयरस्पेस क्षमता में सुधार होगा, विमानों की देरी में कमी होगी जिससे ईंधन की बचत होगी तथा ए टी सी ओ को विमान की स्थिति के वास्तविक

समय का अपडेट भी प्राप्त होगा । उन्नत रडार सिस्टम जैसे कि गुवाहाटी हवाईअड्डे पर स्थापित किया जा रहा है, ए टी सी तथा पायलट के बीच डिजीटल डाटा के आदान प्रदान में सक्षम हैं । नई रडार प्रणाली को सितम्बर 2017 के अंत तक शुरू किया जाएगा ।

.....

जनसम्पर्क विभाग द्वारा जारी
विस्तृत विवरण के लिए संपर्क करें:
महाप्रबंधक (ज.सं.) 9811521881, 011-24622787
सं. 16/2017-18



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा गुवाहाटी हवाईअड्डे पर लगभग सम्पूर्ण उत्तर पूर्वी आकाश हेतु अत्याधुनिक निगरानी ए टी सी रडार प्रणाली की स्थापना ।

